को रेल बदलना पड़ता है। रात्री को यात्री डिब्बे के फाटक आम तौर पर खोलते नहीं और बहुत बड़ी संख्या में यात्री लुहारू जंक्शन पर गाड़ी पलट कर गाड़ी में बैठ नहीं पाते। इनमें विशेषकर (1) राजस्थानी व्यवसायी प्रवासी, (2) हरिद्वार भस्मी ले जाने वाले यात्री, (3) छुट्टी आने जाने वाले फौजी जवान, व (4) खाडी के मुल्कों में जाने वाले मजदूर होते हैं।

मेरे सन् 1983 के अतारांकित प्रश्न के उत्तर में रेल मंत्री महोदय ने सीकर-दिल्ली व दिल्ली से आगे जाने वाले व आने वाले यात्रियों के जो आंकड़े दिये। उसके आधार पर औसतन करीब 500 यात्री प्रतिदिन आते है और करीब पांच सौ ही प्रतिदिन जाते हैं। इतना ही नहीं इन दोनों जिलों (सीकर, झुन्झुनू) से करीब पांच सौ आदमी बस से सफर करते हैं। इस तरह से इन दोनों जिलों से करीब एक हजार यात्री प्रतिदिन दिल्ली से आते व जाते हैं। इस प्रकार पूरी एक रेल गाड़ी की सवारियां होती हैं। रेलवे को सीकर से दिल्ली सीधी रेल चलाने में कोई घाटा नहीं होगा जन हित में सीकर-दिल्ली के बीच वाया लुहारू एक्सप्रेस रेल गाड़ी उत्तर रेलवे द्वारा शीघ्र चलाये जाने की मांग मैं करता हूं।

(xix) Need to fix Support Price of Cumin Seed and Aniseed and demands to inrease Then Ezpets to help Farmers

श्री मोती भाई आर. चौधरी (मेहसाना) : सभापति जी, इस साल जीरे और सौंप के भाव एक दम गिरे हुए हैं। पिछली साल सौंप और जीरे के भाव ऊंचे बढ़ कर 600 प्रति 20 किलो का हो गया था। अब इस साल सौंप का भाव प्रति 20 किलो का 60 के आसपास हो गया है। और जीरे का भाव प्रति 20 किलो का 100 के आसपास हो गया है इससे किसान एकदम बरबाद हो रहा है। बिजली, कीटनाशक दवाईयां और दूसरी सब चीजों के बढ़ते हुए दाम में इस भाव में सौंप और जीरा बिकने से किसान मरा जा रहा है इसकी निर्यात होती है खुला आम लाइसेंस से। लेकिन इसकी भी मर्यादा आ गई है। इसकी निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार को चाहिए कि कुछ अच्छा इंसेन्टिव देकर निर्यात किया जाए। और नाफ्रेड और एस. टी. सी. के जरिए इसको खरीदा जाए। इसकी सपोर्ट प्राइस सरकार की ओर से तय नहीं होती है। इसके किस रेट से यह खरीदा जाय यह भी निश्चित नहीं है। इसलिए कम से कम सौंप के लिए 200 रु. प्रति 20 किलो का और 300 रु. प्रति 20 किलो का जीरा का सपोर्ट प्राइस जाहिर को जाय और इस रेट से नाफेड और एस. टी. सी. किसानों का माल मंडियों में जाकर खरीदे, ऐसा प्रावधान शीघ्र किया जाए। विलम्ब करने से पानी के माव मेंव्यापारियों की खरीदी से किसान लूटा जायगा। अत: मेरी वाणिज्य मंत्री से प्रार्थना है कि सपोर्ट प्राइस से किसानों का माल जीरा, सौंप जल्दी से खरीदा जाए और अच्छा इंसेन्टिव देकर, ज्यादा निर्यात भी किया जाये।

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर): सभापति जी, मैं नियम 377 में एक मामला दिया था कि हमारे क्षेत्र हाजीपुर में पानी का भंयकर अकाल है। लोग मरने पर बैठे हुए हैं श्री रवीन्द्र वर्मा के नेतृत्व में। मैं जानना चाहता हूं कि मेरे नोटिस का क्या हुआ ?

सभापति महोदय : मेरे पास है ही नहीं। आप स्पीकर से मिल सकते थे।

श्री राम विलास पासवान : तब मैं वाक आउट करता हूं। कम से कम लोग जान तो जायेंगे कि पानी के प्रश्न पर मैंने वाक आउट किया है।

15.54 hrs.

At that time Shri Ram Vilas Paswas Left the House

सभापति महोदय : वाक आउट नहीं है, उनको काम है इसलिये जा रहें हैं।

(xx) Need to fix Pay Scales of MITCO labourers according to Central Government Scales.]

श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा (कोडरमा): सभापति महोदय, भारतीय अभ्रक व्यापार निगम (मिटको) केन्द्र विभिन्न शाखाओं के सभी कर्मचारी केन्द्रीय वेतनमान आधार पर माहवारी वेतन पाते हैं किन्तु मिटकों के अभ्रक-संसादित करने वाले कारखानों के लगभग 1,000 मजदूर, विहार सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी पाने के लिए विवश हैं. वे 1972 से अभी तक माहवारी वेतन लेने के हकदार नहीं हैं। वे श्रम नियमों के अधीन मिलने वाली सुविधाओं से वंचित हैं। यह सौतिला व्यवहार है। मेरी वाणिज्य एवं श्रम मन्त्री से पुरजोर अपील है कि अभ्रक व्यापार निगम के 1000 मजदूरों का मासिक वेतनमान केन्द्रीय स्तर पर निर्धारित किया जाय ताकि उन्हें क्रांति कारी कदम उठाने के लिए विवश नहीं होना पड़े।

15.55 hrs.

DISCUSSION RE : INTERNATIONAL SITUATION AND POLICY OF GOVERNMENT OF INDIA IN RELATION THERETO

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P.V. NARASIMHA RAO) : I beg to move :

"That this House do consider the present international situation and the policy of the Government of India in relation thereto."

MR. CHAIRMAN : Motion moved:

"That this House do consider the present international situation and the policy of the Government of India in relation thereto."

There is a substitute Motion. Dr. Subramaniam Swamy.

DR. SUBRAMANIAM SWAMY (Bombay North East) : I beg to move :

That for the orginal motion, the following be substituted, namely :

"This House, having considered the present international situation and the policy of the Government of India tin relation thereto, urges upon the Government to restructure the foreign policy giving primacy to friendship with neighbours and to equidistance from the two super powers."

I hope, Sir, you will accept that.

MR. CHAIRMAN : Shri Satyasadhan Chakraborty.

DR. SUBRAMANIAM SWAMY : I can move this motion and discuss it.